लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 18 March 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

गेट में चमके लविवि के मेधावी

50 से ज्यादा को सफलता, मुनमुन बनर्जी को 8वीं रैंक

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 50 से ज्यादा मेधावियों ने शुक्रवार को जारी हुए ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) में सफलता हासिल करते हुए विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया।

परीक्षा में सफलता पाने वालों में इंजीनियरिंग संकाय, भौतिक विज्ञान, व्यावहारिक अर्थशास्त्र, जैव एवं रसायन विज्ञान व जूलॉजी सहित अन्य विभागों के छात्र शामिल हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जैव रसायन विज्ञान की छात्रा मुनमुन बनर्जी ने एआईआर 8 रैंक हासिल करते हुए विवि का गौरव बढ़ाया।

इसी तरह ज्योति यादव ने एआईआर 135, दीपक यादव ने एआईआर 448 व मो. फैजी ने एआईआर 466 रैंक हासिल की है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने परीक्षा में सफल मेधावी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

मुनमुन बनर्जी। ज्योति यादव। दीपक यादव। मो. फैजी।

शिया कॉलेज में देरी से पहुंचा प्रश्नपत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की परीक्षा में समय से प्रश्नपत्र पहुंचाने में लापरवाही शुक्रवार को भी बरकरार रही। डालीगंज स्थित शिया कॉलेज में हो रही प्रथम पाली की परीक्षा में पत्रकारिता विषय का प्रश्नपत्र करीब 30 मिनट देरी से परीक्षा केंद्र पर पहुंचा। ऐसे में इतने समय तक छात्रों को खाली बैठना पड़ा। परीक्षार्थियों ने आरोप लगाया कि लविवि के परीक्षा विभाग की ओर से लगातार ऐसी लापरवाही सामने आ रही है। इससे छात्रों की मुश्किलें बढ़ रही हैं। इससे पहले 16 मार्च को भी हुई परीक्षा में शहर के कई परीक्षा केंद्रों पर दो घंटे देरी प्रश्नपत्र भेजे गए थे, जिस पर छात्रों ने काफी देर तक हंगामा भी किया था। परीक्षा के दौरान बिजली कर्मियों की हड़ताल का असर भी दिखा। शिया कॉलेज, केकेसी, बीएसएनवी समेत कई कॉलेजों में परीक्षा के समय बिजली संकट बना रहा। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 6

'गेट' में एलयू की मुनमुन बैनर्जी की ऑल इंडिया 8वीं रैंक

एलयू के 50 स्टूडेंट्स ने गेट-2023 क्वालिफाई किया

■ एनबीटी सं, लखनऊ : ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजिनियरिंग (गेट) 2023 में एलयू की जैव रसायन विषय की छात्रा मुनमुन बैनर्जी ने एआईआर 8वीं रैंक हासिल की है। इस बार एलयू के कुल 50 स्टूडेंट्स ने गेट क्वालिफाई किया है। इस वर्ष इंडियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलजी, कानपुर ने गेट-2023 की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) की मेजबानी की थी। इसके परिणाम 16 मार्च को जारी किए गए। 6.7 लाख आवेदकों में से कुल 5.17 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी। उनमें से 1 लाख अभ्यर्थी ही योग्य पाए गए। गेट-2023 के परिणामों में एलयू के कई विभागों से 50 से अधिक स्टूडेंट्स ने सफलता हासिल की है। सफल होने वालों में इंजीनियरिंग संकाय, भौतिकी, रसायन विज्ञान, व्यावहारिक अर्थशास्त्र, जैव रसायन विज्ञान, जूलॉजी और अन्य विभाग से स्टूडेंट्स हैं।

एफओईटी से 20 छात्रों का चयन

एलयू की फैकल्टी ऑफ इंजिनियरिंग एंड टेक्नॉलजी (एफओईटी) के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि गेट-2023 परीक्षा में उनके संकाय से इस बार 20 से अधिक छात्रों ने क्वालिफाई की है। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन के मुताबिक, पिछले वर्ष एलयू के 40 से अधिक स्टूडेंट्स ने गेट क्वालिफाई किया था। वहीं एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने सफल स्टूडेंट्स को बधाई दी है। ओएनजीसी, एनटीपीसी लिमिटेड, गेल इंडिया लिमिटेड, डीआरडीओ, सेंट्रल सिल्क बोर्ड समेत कई अन्य कंपनियां और सरकारी एजेंसियां गेट स्कोर के आधार पर कैंडिडेट का चयन नौकरी के लिए करती हैं।

हर दिन लक्ष्य बना कर की पढ़ाई

मुनमुन बैनर्जी

एलयू के जैव रसायन विज्ञान की छात्रा और गेट में एआईआर 8वीं रैंक हासिल करने वाली मुनमुन बैनर्जी बताती हैं कि रोज लक्ष्य तैयार कर पढ़ाई करती थी। चाहे जितना समय लग जाए, लेकिन लक्ष्य पूरा होने पर ही उठती थी। नियमित पढ़ाई करने से उन्होंने गेट में सफलता हासिल की। वहीं कंप्यूटर साइंस एंड इंजिनियरिंग विभाग की ज्योति यादव ने एआईआर-135वीं रैंक हासिल की है। उनका कहना है कि समर्पण से कठिन परीक्षा को आसान बनाया जा सकता है। 8-9 महीने लगन से अभ्यास किया और सफलता हासिल की। वहीं कंप्यूटर साइंस एंड इंजिनियरिंग विभाग के दीपक यादव ने एआईआर-448वीं रैंक हासिल की है। उनका कहना है कि लगातार अभ्यास और लक्ष्य पर नजर रखने से सफलता मिली है। गेट की तैयारी के लिए यूट्यूब पर काफी अध्ययन सामग्री मौजूद है। भौतिकी विभाग से मोहम्मद फैजी ने एआईआर 466वीं रैंक हासिल की। उन्होंने बताया कि खुद पर विश्वास करके ही किसी लक्ष्य को पाया जा सकता है।

JAGRAN CITY PAGE III

अब बीफार्मा में भी विदेशी ले सकेंगे प्रवेश

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के बैचलर आफ फार्मेसी (बीफार्मा) पाठ्यक्रम में अब विदेशी छात्र-छात्राएं भी प्रवेश ले सकेंगे। हाल ही में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई वित्त समिति की बैठक में इस पाठ्यक्रम में विदेशी छात्र-छात्राओं के लिए प्रति सेमेस्टर 2300 डालर शुल्क तय किया गया है। नए सत्र से उन्हें प्रवेश का मौका दिया जाएगा। जल्द ही यह तय हो जाएगा कि उन्हें कितनी सीटों पर प्रवेश मिलेगा।

लवि में संचालित इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वर्ष 2021 से बीफार्मा और डीफार्मा (डिप्लोमा इन फार्मेसी) की पढ़ाई शुरू हुई थी। बीफार्मा में 100 और डीफार्मा में 60 सीटें निर्धारित हैं। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि बीबीए, बीसीए के समकक्ष ही बीफार्मा की फीस तय हुई है। लवि में वर्तमान सत्र में 50 देशों के छात्र-छात्राओं ने प्रवेश के लिए आवेदन किया था। इस समय 28 देशों के 170 विदेशी छात्र-छात्राएं शोध कर रहे हैं।

नए कोर्स शुरू करने की भी योजना : इंजीनियरिंग संकाय के विजन प्लान में बीटेक में कुछ नए कोर्स तैयार करने की योजना बनी है। इसमें बीटेक इन प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग (एमई), बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (डेटा साइंस), बीटेक इन इलेक्ट्रानिक्स एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग (ईसीई), बीसीए डेटा साइंस सहित कई कोर्स शामिल हैं। प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि डेटा साइंस के क्षेत्र में विद्यार्थियों को तमाम अवसर मिलेंगे।

विद्यार्थियों को मिलेगी आधुनिक स्टूडियो की सुविधा

नेशनल पीजी कालेज में जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग के छात्र-छात्राओं को जल्द ही आधुनिक मीडिया लैब एवं स्टूडियो की सुविधा मिलेगी। कालेज प्रशासन ने इसके लिए 25 लाख से ज्यादा की लागत से यह स्टूडियो तैयार कर लिया है। अप्रैल में इसका उद्घाटन होगा। कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग में स्नातक कोर्स संचालित है। यहां एक आधुनिक उपकरणों से लैस मीडिया लैब स्टूडियो तैयार किया गया है। इसमें रिकार्डिंग रूम, आडियो-वीडियो के साथ लाइव टेलीकास्ट व साउंड मिक्सिंग की सुविधा भी होगी। इस स्टूडियो को बाहर के लोगों के लिए उपलब्ध कराने पर विचार किया जा रहा है। इस स्टूडियो में शार्ट फिल्म, कंटेंट राइटिंग सहित सभी तरह के कार्य किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि जुलाई में कालेज के 50 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर स्टूडियो के माध्यम से कालेज के 50 साल के इतिहास पर एक डाक्यूमेंट्री फिल्म भी बनाई जाएगी। प्राचार्य ने बताया कि कालेज के पास कई और लैब हैं, जिनका अपग्रेडेशन किए जाने का प्लान बनाया गया है।

शिया कालेज : पेपर देर से पहुंचने की शिकायत

लखनऊ विश्वविद्यालय की परास्नातक सेमेस्टर परीक्षा में एक बार फिर प्रश्न पत्र देर से पहुंचने के आरोप हैं। शिया पीजी कालेज में दोपहर की पाली में दो से पांच बजे तक एमएजेएमसी तीसरे सेमेस्टर एडवरटाइजिंग विषय की परीक्षा थी। परीक्षार्थी समय से परीक्षा कक्ष में बैठ गए। उनका आरोप है कि आधे घंटे देर से पेपर दिया गया। हालांकि परीक्षार्थियों को अतिरिक्त समय दिया गया। कालेज के मीडिया प्रभारी डा. प्रदीप शर्मा का कहना है कि परीक्षा में आधे घंटे देर से पेपर आया था। वहीं, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि उन्होंने समय से पेपर भिजवा दिए थे। शिया पीजी कालेज में गुरुवार को निरीक्षण के दौरान उड़ाका दल और कालेज के आंतरिक सचल दल के बीच कहासुनी हो गई। लवि के उड़ाका दल में शामिल एक महिला सदस्य ने निरीक्षण के दौरान नकल की शिकायत कर संबंधित शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की बात कही। इस पर आंतरिक सचल दल ने आरोपों को गलत बताया। तभी दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बीच बचाव के बाद मामला शांत हुआ।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : गेट परिणाम में मुनमुन को आल इंडिया आठवीं रैंक

जासं, लखनऊ : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (आइआइटी) कानपुर की ओर से गुरुवार देर रात ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) के परिणाम जारी किए गए। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के 50 से ज्यादा छात्र-छात्राओं को सफलता मिली है। खास बात यह है कि जैव रसायन विज्ञान की मुनमुन बनर्जी ने अखिल भारतीय स्तर पर आठवीं रैंक लाकर विश्वविद्यालय और विभाग का मान बढ़ाया है। वहीं, ज्योति यादव ने 135वीं रैंक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के दीपक यादव ने 448वीं रैंक और भौतिकी विभाग से मो. फैजी ने 466वीं रैंक हासिल की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि गेट उत्तीर्ण होने वाले सर्वाधिक अंकों और रैंक वाले छात्र-छात्राओं को तुरंत नौकरी के साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाता है। नौकरी में कई सरकारी एजेंसियां गेट स्कोर का ही उपयोग करती हैं। गेट से आइआइटी और एनआइआइटी (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इनफार्मेशन टेक्नालाजी) में पीजी करने का मौका मिलता है। उन्होंने बताया कि गेट परिणाम में इंजीनियरिंग संकाय, भौतिकी, रसायन विज्ञान, व्यावहारिक अर्थशास्त्र, जैव रसायन विज्ञान, जूलाजी सहित कई विभागों के छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं।

सफलता के लिए प्रबंधन जरूरी

किसी भी परीक्षा में अच्छे स्कोर के लिए समय प्रबंधन जरूरी है। एमिटी यूनिवर्सिटी से बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलाजी में टाप करने पर मुझे गोल्ड मेडल। अभी लवि में एमएससी बायो केमिस्ट्री तृतीय सेमेस्टर में हूं।

-मुनमुन बनर्जी, आठवीं रैंक, गेट

आठ-नौ महीने किया अभ्यास

मैंने आठ-नौ महीने लगन से अभ्यास किया। अब आइआइटी में मास्टर डिग्री में प्रवेश लेना है। पुराने प्रश्न पत्र अभ्यास और सेल्फ स्टडी से सफलता मिली। शिक्षकों का भी पूरा सहयोग मिला।

- ज्योति यादव, 135वीं रैंक, गेट

प्लाज्मा बायोमार्कर से भी पता चलेगा प्रोस्टेट कैंसर

जासं, लखनऊ : अब मरीजों में प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाना आसान होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलाजी विभाग के शोधार्थी मोहम्मद माबूद खान की ओर से पांच साल किए गए शोध में यह निष्कर्ष सामने आया है। शोध के दौरान प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों में माइक्रो आरएनए-190 बी-5पी, माइक्रो आरएनए-215-5पी और माइक्रो आरएनए-527 नानइन्वेसिव बायोमार्कर पाए गए हैं। इन बायोमार्कर और मरीजों के खून के नमूनों की सहायता से यह पता लगाया जा सकेगा कि लोगों में भविष्य में प्रोस्टेट कैंसर हो सकता है या नहीं। विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन के नेतृत्व में हुआ उनका यह शोध बीते 24 जनवरी को टेलर एंड फ्रांसिस के अंतरराष्ट्रीय स्तर के बायोमार्कर जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

दरअसल, पुरुषों में पेशाब के दौरान दर्द या जलन, पेशाब या वीर्य में खून, पेशाब करने में कठिनाई आना आदि प्रोस्टेट कैंसर के कुछ प्रमुख लक्षण हैं। इस कैंसर में माइक्रोआरएनए के एक्सप्रेशन प्रोफाइल पर अध्ययन के लिए शोधार्थी मोहम्मद माबूद खान ने आइसीएमआर-एनआइसीपीआर (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च), नोएडा का सहयोग लिया। इसके लिए उन्होंने राजीव गांधी कैंसर हास्पिटल नई दिल्ली से 100 मरीजों के टिशू और प्लाज्मा लेकर शोध शुरू किया था।

अध्ययन में संयुक्त रूप से पाया कि प्रोस्टेट कैंसर में शुरुआती चरण में माइक्रो आरएनए-190 बी-5पी, माइक्रो आरएनए-215-5पी और माइक्रो आरएनए-527 संभावित, सशक्त और नानइन्वेसिव मार्कर हो सकते हैं। यह माइक्रो आरएनए प्रोस्टेट कैंसर के मेटास्टेसिस आक्रमण को रोकने के लिए अच्छी भूमिका निभा सकते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में जूलाजी विभाग के शोधार्थी मोहम्मद माबूद खान सौः स्वयं

ऐसे लगाया पता

माइक्रो आरएनए छोटे (19-22 न्यूक्लियोटाइड), संरक्षित, गैर-कोडिंग अणु होते हैं। विभिन्न प्रकार के माइक्रो आरएनए शरीर के ऊतक, प्लाज्मा, सीरम, मूत्र आदि में उच्च सांद्रता में पाए जाते हैं और प्रोस्टेट कैंसर सहित विभिन्न प्रकार की स्थितियों के लिए विश्वसनीय डायग्नोस्टिक मार्कर के रूप में काम करते हैं। इस अध्ययन में माइक्रो आरएनए के एक्सप्रेशन पर लैब में शोध किया गया। सबसे पहले खून के प्लाज्मा और बायोप्सी नमूने लेकर आरएनए को आइसोलेट किया गया। आरटी-पीसीआर की मदद से प्रोस्टेट कैंसर के रोगी के नमूने में माइक्रो आरएनए के एक्सप्रेशन की जांच की गई। पता चला कि माइक्रो आरएनए-190 बी-5पी, माइक्रो आरएनए-215-5पी और माइक्रो आरएनए-527 के एक्सप्रेशन बायोमार्कर के रूप में प्रोस्टेट कैंसर की पहचान कराने में समक्ष हैं।

कुछ प्रमुख आंकड़े

- दुनिया भर में प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित : 20 प्रतिशत पुरुष
- प्रोस्टेट कैंसर से पुरुषों की मौतें : 6.8 प्रतिशत सालाना
- ग्लोबल कैंसर सर्वे स्टैटिस्टिक्स के 2020 के आंकड़ों के अनुसार : करीब 375 हजार मौतों के साथ प्रोस्टेट कैंसर के 14.1 लाख नए मामले थे।

HINDUSTAN PAGE 6

6.7 लाख आवेदकों में से कुल 5.17 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी

गेट में एलयू की छात्रा मुनमुन ने लहराया परचम, आठवीं रैंक मिली

उपलब्धि

लखनऊ, संवाददाता। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2023 में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुल 50 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। जैव रसायन विभाग के तृतीय सेमेस्टर की छात्रा मुनमुन बनर्जी ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) आठवीं हासिल की है। इस बार गेट में 6.7 लाख आवेदकों में से कुल 5.17 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी। उनमें से एक लाख अभ्यर्थी ही योग्य पाए गए। गेट-2023 के परिणामों में एलयू के कई विभागों से 50 से अधिक विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बधाई दी है।

फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि उनके संकाय से 20 से अधिक छात्रों ने गेट-2023 परीक्षा पास की है।

50 लखनऊ के छात्रों ने सफलता हासिल की गेट परीक्षा में | **20** इंजीनियरिंग के छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण हुए | **40** छात्र पिछले साल सफल हुए थे इस परीक्षा में

छात्रों से बातचीत

शोध में है रुचि, लक्ष्य निर्धारित कर की पढ़ाई

मुझे भविष्य में शोध करना है। रोजाना उन विषयों की भी पढ़ाई की थी, जो गेट के लिए जरूरी थे। मुनमुन बनर्जी (जैव रसायन विज्ञान)

लगातार अभ्यास से परीक्षा में सफलता हासिल की

एआईआर 135 रैंक हासिल की है। समर्पण से कठिन परीक्षा को आसान बनाया। ज्योति यादव (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग)

यूट्यूब पर पढाई सामग्री से मिली तैयारी में मदद

एआईआर 448 रैंक हासिल की है। लक्ष्य पर नजर से सफलता मिली है। नेट पर सामग्री से मदद मिली। दीपक, (कंप्यूटर साइंस-इंजीनियरिंग)

खुद पर विश्वास रखना जरूरी

एआईआर 466 रैंक हासिल की है। विभाग, दोस्तों और परिवार से काफी मदद मिली। विश्वास रखना बहुत जरूरी है। मोहम्मद फैजी (भौतिकी विज्ञान)

पढ़ने के लिए बहराइच से लखनऊ आया

मैं पढने के लिए ही बहराइच से लखनऊ आया था। अकेले कमरा लेकर रहता था। आरएलबी स्कूल से बारहवीं करने के बाद मेरा सेलेक्शन आईआईटी धनबाद के लिए हो गया। उदित, ऑल इंडिया टॉपर

i-NEXT PAGE 3

गेट के रिजल्ट में लखनऊ यूनिवर्सिटी के कई स्टूडेंट्स को मिली सफलता

गेट 2023 में लहराया परचम

GOOD NEWS

एलयू के रसायन विज्ञान की मुनमुन बैनर्जी ने ऑल इंडिया 8वीं रैंक हासिल की

LUCKNOW (17 March): ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट 2023) का रिजल्ट शुक्रवार को जारी हुआ. रिजल्ट में इस साल लखनऊ यूनिवर्सिटी के 50 स्टूडेंट्स ने सफलता हासिल की. इस साल आईआईटी कानपुर ने यह परीक्षा कराई है. परीक्षा के लिए रजिस्टर्ड 6.7 लाख आवेदकों में से 1 लाख स्टूडेंट्स उत्तीर्ण हुए. इस बार इस रिजल्ट में लखनऊ विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है.

मुनमुन बैनर्जी को मिली एआईआर 8वीं रैंक

लखनऊ यूनिवर्सिटी के कई विभागों से 50 से अधिक छात्रों ने सफलता दर्ज की है. इनमें इंजीनियरिंग, भौतिकी, रसायन विज्ञान, व्यावहारिक अर्थशास्त्र, जैव रसायन विज्ञान, जूलॉजी के स्टूडेंट्स शामिल हैं. जैव रसायन विज्ञान की मुनमुन बैनर्जी ने एआईआर रैंक 8 लाकर यूनिवर्सिटी का नाम रोशन किया है. वहीं, ज्योति यादव की एआईआर 135, सीएस एंड इंजीनियरिंग विभाग के दीपक यादव को एआईआर 448, फिजिक्स डिपार्टमेंट के मोहम्मद फैजी को एआईआर 466 के साथ सफलता मिली है.

कुलपति दे दी स्टूडेंट्स को बधाई

एलयू के वीसी प्रो आलोक कुमार राय ने सफल छात्रों को बधाई दी. छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पूनम टंडन ने प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा कि पिछले साल 40 से अधिक छात्रों ने गेट क्वालीफाई किया था. इस साल इनकी संख्या 50 से अधिक है. डीन एफओईटी प्रो. एके सिंह ने फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के 20 से अधिक छात्रों को बधाई दी.

50 स्टूडेंट्स लखनऊ यूनिवर्सिटी के इस एग्जाम में हुए हैं सफल

टीचर्स और यूट्यूब ने की मदद

मुनमुन बैनर्जी को लाइफ साइंसेज में ऑल इंडिया 8वी रैंक मिली है. मुनमुन ने बताया कि गेट देने से पहले मैंने क्वेश्चन पेपर और पेपर का पैटर्न ध्यान से देखा. इंपार्टेंट टॉपिक्स को नोट किया. कॉलेज में टीचर्स का भी सहयोग रहा. जिन टॉपिक्स में कंफ्यूजन था, उनके लिए यूट्यूब चैनल की मदद ली. मैंने 8. से 9 महीने तैयारी की. अब मैं आईआईटी से मास्टर डिग्री हासिल करूंगी.

दीपक यादव ने कहा कि गेट की परीक्षा को पास करने के लिए सबसे जरूरी है कि कॉन्सेप्ट को समझकर पढ़ाई करें. मैंने तैयारी के लिए सोशल मीडिया की भी मदद ली है. इसमें यूट्यूब ने मेरी बहुत मदद की. शिक्षकों के साथ एफओईटी की ओर से बहुत सहयोग मिला.

मोहम्मद फैजी ने कहा कि मुझे इस परीक्षा को पास करने विभाग, दोस्तों और परिवार ने काफी सहयोग किया. सफलता का कोई शॉर्टकट नही होता है. हमें खुद पर विश्वास करने की जरूरत है. अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें. सफलता जरूर मिलेगी.

TOI PAGE 6

LU student bags AIR 8 in GATE

Times News Network

Lucknow: A Lucknow University MSc (biochemistry) student **Munmun Banerjee** has secured All India Rank (AIR) 8 in Graduate Aptitude Test in Engineering (GATE), the result of which was announced on Thursday by Indian Institute of Technology (IIT) Kanpur.

GATE is a national-level entrance exam held annually for admission to postgraduate programmes in the science and technology sector. It is also a crucial exam for job seekers as companies like ONGC, NTPC Limited, GAIL India Limited, DRDO, Central Silk Board use GATE scores while considering job applicants.

Munmun secured a high rank in life sciences and is among 50 LU students who have cleared the examination.

A resident of Indiranagar, Munmun wants to make a career in the research field. "Clearing such a prestigious examination is like a dream come true for me. I believe that there is no replacement for hard work. It was hard work that made me win a gold medal in graduation and again its time management and consistency that helped me clear the GATE entrance," she said.

"A few of my review articles have been published in some reputed journals," she said.

LU spokesperson Durgesh Srivastava said: "Our 50 students from the engineering faculty, physics, chemistry, applied economics, chemistry, zoology, and other departments qualified for the test," Srivastava said.

Apart from Munmun, Jyoti Yadav secured AIR-135, Deepak Yadav AIR-448 and Mohd Faizee AIR-466.

THE PIONEER PAGE 2

GATEway to success for LU students

PNS ■ LUCKNOW

More than 50 students of Lucknow University cracked the Graduate Aptitude Test in Engineering (GATE-2023), results of which were declared on Thursday. Munmun Bannerjee from the department of biochemistry secured all-India rank (AIR) 8.

Jyoti Yadav and Deepak Yadav from the department of computer science and engineering secured AIR 135 and AIR 448, respectively. Mohd Faizee from the department of physics secured AIR 466. "A tough exam can be made easy with dedication. I studied for 8-9 months, and now I hope to go to an IIT. Concepts from standard books, old question paper practice, and self-study did the trick for me," Jyoti said. "Concentrate on fundamental ideas and be consistent. You can't depend on memorisation in exams like GATE. You need to have a realistic perspective and approach. YouTube study content is underrated but it worked for me," Deepak Yadav said. "I got support from the entire department as well as my friends and family. There is no shortcut to success, and we need to believe in ourselves," Mohd Faizee said.

LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai congratulated the successful students. DSW Poonam Tandon said more than 40 students had cracked GATE last year.

GATE was conducted by the Indian Institute of Technology (IIT-Kanpur). A total of 5.17 lakh candidates out of the 6.7 lakh applicants who registered for GATE across the 29 available papers showed up for the exam, and one lakh (18%) of those qualified.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

गेट-2023 की परीक्षा में लविवि के छात्रों ने मारी बाजी

लखनऊ। गेट -2023 के परिणामों में लखनऊ विश्वविद्यालय के कई विभागों से 50 से अधिक छात्रों ने सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होकर अपना नाम दर्ज कराया है।

जैव रसायन विज्ञान की मुनमुन वैनर्जी ने ऑल इंडिया रैंक 8 लाकर विश्वविद्यालय और विभाग का नाम रोशन किया। ज्योति यादव ने ऑल इंडिया रैंक-135 हासिल किया और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के दीपक यादव ने ऑल इंडिया रैंक 448 हासिल किया। भौतिकी विभाग से मोहम्मद फैजी ने ऑल इंडिया रैंक 466 हासिल किया।

PIONEER PAGE 4

गेट की परीक्षा में एलयू के 50 से अधिक छात्र सफल

लखनऊ। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) प्रवेश परीक्षा 2023 में लखनऊ विश्वविद्यालय के कई विभागों से 50 से अधिक छात्रों ने सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होकर अपना नाम दर्ज कराया है। इन विभागों में इंजीनियरिंग संकाय, भौतिकी, रसायन विज्ञान, व्यावहारिक अर्थशास्त्र, जैव रसायन विज्ञान, जूलॉजी और अन्य शामिल हैं। जैव रसायन विज्ञान की मुनमुन बैनर्जी ने ऑल इंडिया रैंक 8 लाकर विश्वविद्यालय और विभाग का नाम रोशन किया है। जबकि ज्योति यादव ने ऑल इंडिया रैंक 135 हासिल किया और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के दीपक यादव ने 448 हासिल किया है। वहीं भौतिकी विभाग से मोहम्मद फैजी ने 466 वीं रैंक हासिल की है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

परिणाम — गेट में लविवि की मुनमुन की आयीं आठवीं रैंक, लविवि के कई विभागों से 50 से अधिक छात्रों ने भी बढ़ाया मान

गेट के परिणाम में लविवि के मेधावियों ने लहराया परचम

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2023 के परिणामों में लखनऊ विश्वविद्यालय के कई विभागों से 50 से अधिक छात्रों ने सफलतापूर्वक पास होकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इसमें इंजीनियरिंग संकाय, भौतिकी, रसायन विज्ञान, व्यावहारिक अर्थशास्त्र, जैव रसायन विज्ञान, जूलॉजी और अन्य शामिल हैं। जैव रसायन विज्ञान की मुनमुन बनर्जी ने आल इंडिया रैंक आठवीं लाकर विश्वविद्यालय और विभाग का नाम रोशन किया।

ज्योति यादव ने एआईआर-135 हासिल किया और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के दीपक यादव ने एआईआर 448 हासिल किया। भौतिकी विभाग से मोहम्मद फैजी ने एआईआर 466 हासिल किया। अपनी सफलता पर ज्योति ने कहा ने समर्पण से कठिन परीक्षा को आसान बनाया जा सकता है। मैंने आठ-नौ महीने लगन से अभ्यास किया। मैं अब एक आईआईटी में मास्टर डिग्री हासिल करने की उम्मीद करती हूं। मानक पुस्तकों से अवधारणायें, पुराने प्रश्न पत्र अभ्यास और स्वाध्याय सफलता की कुंजी हैं। शिक्षकों की मदद और एफओईटी में स्वस्थ वातावरण सोने पर सुहागा था जिसने मुझे अपनी तैयारी के दौरान हर समय केंद्रित रखा। दीपक यादव ने कहा कि बस मौलिक विचारों पर ध्यान केंद्रित करें और लगातार अभ्यास बनाए रहने का प्रयास करें। गेट जैसी परीक्षाएं प्रिंसिपल्स को रट लेने से नहीं निकाली जाती। आपको एक यथार्थवादी दृष्टिकोण रखने की आवश्यकता है। गेट की तैयारी के लिए यूट्यूब अध्ययन सामग्री को बहुत कम आंका जाता है लेकिन मेरे लिए, इसने बहुत अच्छा काम किया। इस सफलता को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों, विभाग और एफओईटी के समर्थन ने मुझे बहुत मदद की। मोहम्मद फैजी ने कहा कि मुझे इस परीक्षा को पास करने में पूरे विभाग का समर्थन मिला। मेरे दोस्तों और परिवार ने भी काफी मदद की। सफलता के रास्ते में कोई शॉर्टकट नहीं होता, हमें खुद पर विश्वास करने की जरूरत है और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

एकाग्रता और प्रतिबद्धता बधाई की ओर ले जाती है। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सफल छात्रों को बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनायें दीं। बता दें कि गेट एक राष्ट्रव्यापी परीक्षा है जो स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, विज्ञान और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के अभ्यर्थियों के ज्ञान का मूल्यांकन करने पर केंद्रित है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सर्वाधिक अंकों और रैंक वाले छात्रों को तुरंत नौकरी के साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। इसलिए इसे कई सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में चयन के लिए एक मानक के रूप में उपयोग किया जाता है। नौकरी आवेदकों पर विचार करते समय कई सरकारी एजेंसियां गेट स्कोर का उपयोग करती हैं। ओएनजीसी, एनटीपीसी लिमिटेड, गेल इंडिया लिमिटेड, डीआरडीओ, सेंट्रल सिल्क बोर्ड और कई अन्य कंपनियां गेट स्कोर के आधार पर अपने कैंडिडेट का चयन करती हैं। इस वर्ष, इंडियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर ने गेट-2023 के कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) की मेजबानी की। गेट-2023 के परिणाम 16 मार्च को जारी किये गये। गेट- 2023 के लिए पंजीकृत 6.7 लाख आवेदकों में से कुल 5.17 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए 29 उपलब्ध पेपर दिखाये और उनमें से 1 लाख (18 फीसदी) योग्य पाये गये।

ज्योति यादव दीपक यादव मो. फैज, मुनमुन